

ज्ञान मंथन

- 1) सीमांत श्रमिक वह व्यक्ति है जो एक वर्ष में कितना समय के लिए काम करता है?
- 2) स्वतंत्र भारत की पहली औद्योगिक नीति को रूपरेखा कब तैयार की गई थी?
- 3) लोरियर स्टोर्ट्स अवार्ड के लिए नामांकित होने वाली पहली महिला क्रिकेट टीम कौन है?
- 4) महाराष्ट्र में हौली के डे इन कौन सा त्यौहार मनाया जाता है?
- 5) ह्यूडी रिसाला महोत्सव किस राज्य में मनाया गया है?

RamaQuiz (Pappu Ganesh)



उतर माला

- (1) 183 (2) 6 अप्रैल 1948 (3) भारत (4) रणपत्थमी (5) महाराष्ट्र

डॉ श्यामप्रसाद मुखर्जी बलिदान दिवस स्वास्थ्य केंद्र में मरीजों को प्लांट वितरण

डोंगरगांव (नांदगांव टाइम्स)। भाजपा के महामंत्री द्वारा भारतीय



जनसंघ के संस्थापक डॉ श्यामप्रसाद मुखर्जी बलिदान दिवस स्थायी स्वास्थ्य केंद्र में मरीजों को प्लांट वितरण किया गया। इस दौरान महान् अध्यक्ष बसोती सिंह कबीराना, नगरपालिका अध्यक्ष राम अंग्रे, सहायक प्रतिनिधि रमण बंसल, प्रदेश किसान मोर्चा अध्यक्ष वीरेंद्र सोनी, किसान मोर्चा प्रदेश संयोजक विजेंद्र सिंह ठाकुर, महामंत्री विनय बंसल, महिला मोर्चा अध्यक्ष सपनी शर्मा, महामंत्री संगीता रायपुर, प्रशासक चौबे, अरुण कुमार शर्मा, सारला श्रीवास्तव, पार्वी अश्विनी शर्मा, देवी देवी साहू, विनोती साहू, शारदा यादव रावत, कंचन, अनिता इंद्रधर, जय प्रकाश मिश्र, राजा मोर्चा अध्यक्ष अरुण सिंह रावत, महामंत्री शुभम अग्रवाल, अनु जा बिलाल मंत्री, रूपेंद्र इंद्रकर, जयंत साहू, चिंतेश्वर साहू, सहित शहर के समस्त भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जोशीलमती में मनाया गया योग दिवस

डोंगरगांव (नांदगांव टाइम्स)। शा. हार्दस्कर जोशीलमती ग्राम पंचायत



मन में 12 वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष गीता गांधी साहू व सरपंच गोमती साहू, हार्दस्कर प्रभावी प्रसाद व सौ. मार्यामक शाहा, प्रशासनिक शाखा के टीएच जयप्रतिभा, प्रमाणिक एवं छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। मर्मने के कई योग, रहे निरोग के संदेश को शैतिक जीवन में अपनाने का संकेत दिया। हार्दस्कर के पूर्व अध्यक्ष यादव पण साहू ने पूर्व सरपंच एवं प्रधान कला और ब्याना कि योग इमारे मानसिक तनाव को दूर करता है और शारीरिक स्फूर्ति प्रदान करता है।

पथर ग्राम सभा में प्रस्ताव पारित पूर्ण हो चुके नाली निर्माण की रुकी मूल्यांकन राशि भुगतान की मांग

गंडई पंडरिया। जनपद पंचायत पुर्णखदान के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत पथर में बुधवार को आयोजित ग्राम सभा में विकास कार्य के रुके हुए भुगतान को लेकर एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया। ग्राम सभा में उपस्थित सदस्यों और ग्रामीणों ने शासन से मांग की है कि पूर्ण हो चुके 'ओपन ग्रेट वॉटर ड्रेन' (नाली निर्माण) कार्य को रुकी हुई मुख्यमंत्री समग्र विकास योजना की राशि का भुगतान तत्काल ग्राम पंचायत के खाते में किया जाए। मामले को जानकारी देते हुए ग्राम पंचायत पथर के पूर्व सरपंच एक संपन्न संघ अध्यक्ष रणजीत सिंह चन्देल ने बताया कि अक्टूबर 2023 में ग्राम छिटाहीडीह (सक्षम ग्राम) में 75,94,000 और ग्राम पथर में 75,89,000 की लागत से ओपन ग्रेट वॉटर ड्रेन निर्माण कार्य को प्रशासनिक स्वीकृति मिली थी। यह कार्य मुख्यमंत्री समग्र + मनरेगा + 15वें विच के अधिभारण (कन्वर्जेंस) बंद से स्वीकृत हुआ था।

काम शत-प्रतिशत पूरा, फिर भी लाखों का भुगतान अटका
बयान जारी करते हुए पूर्व सरपंच संघ अध्यक्ष रणजीत सिंह चन्देल ने कहा, यह ठीक निर्माण कार्य समग्र-सोसा के भीतर शत-प्रतिशत (100%) पूरे कर लिए गए हैं। संबंधित उन्-अधिभारण (सब-डिजीनिंग) द्वारा कार्य का तत्कालीन मूल्यांकन और भीतिक सत्यापन भी किया जा चुका है। सत्यापन के बाद मनरेगा व अन्य मदों की राशि तो पंचायत को मिल गई, लेकिन राज्य में शासन परिवर्तन के दौरान तत्कालीन कारणों से मुख्यमंत्री समग्र ग्रामीण विकास योजना के हिस्से की राशि आज तक अग्रह है। न्यूनतम से आगे स्पष्ट किना कि शासन परिवर्तन के समय कुछ कार्य पूर्ण सत्यापन व सत्यापन संघ अध्यक्ष रणजीत सिंह चन्देल ने उठाई आवाज; शासन परिवर्तन के फेर में पंजी है मुख्यमंत्री समग्र योजना की राशि

की निरस्त करने के आदेश जरूर आए थे, परंतु पथर और छिटाहीडीह का यह कार्य उस आदेश के जारी होने से पहले ही पूरी तरह मुकम्मल हो चुका था। कार्य पूर्ण होने के बावजूद अंतिम मूल्यांकन राशि न मिलने से भुगतान अटका हुआ है, जिससे स्थानीय स्तर पर परेशानी हो रही है।

पंजी हुई शेष राशियों का विवरण
ग्राम सभा में रुके हुए भुगतानों का स्पष्ट लेखा-जोखा भी सामने रखा गया, जिसके तहत मुख्यमंत्री समग्र ग्रामीण विकास योजना की निम्नलिखित शेष राशियां अटकी हुई हैं: ग्राम छिटाहीडीह (नाली निर्माण): 71,57,000 (एक लाख सत्तान हजार रुपये) की राशि शेष। ग्राम पथर (नाली निर्माण): 72,57,000 (दो लाख सैंतीस हजार रुपये) की राशि शेष। विशेष मॉग: ग्राम सभा के माध्यम से ग्रामीणों और पंचायत प्रतिनिधियों ने उक्त राशियों की शेष राशि जारी करने का आग्रह किया है। इस विषय को गंभीरता से लेते हुए, इस विशेष राशि को शीघ्रता से स्वीकृत (चित्र प्रदान) करते हुए शासन द्वारा सोचें ग्राम पंचायत के खाते में अंतरित (ट्रान्स्फर) करने का निम्न निवेदन किया गया है।

उच्च अधिकारियों को भेजा जाएगा प्रतिवेदन
बुधवार 24 जून को पथर में आयोजित ग्राम सभा में सरपंच, सचिव, वार्ड पंच और समस्त ग्रामवासियों को मौजूदगी में इस विषय को प्रमुखता से रखा गया। सभी सदस्यों ने एक स्वर में महमति जताते हुए प्रस्ताव पारित किया। ग्राम सभा के माध्यम से अब जिला व जनपद पंचायत सहित उच्च अधिकारियों को यह आधिकारिक प्रतिवेदन भेजा जा रहा है कि कार्य पूरी तरह सत्यापित है, अतः रुकी हुई राशि को जल्द से जल्द पंचायत के खाते में अंतरित किया जाए ताकि संबंधीों का अंतिम भुगतान सुचारु रूप से किया जा सके।

गायत्री विद्यापीठ में पूर्ण श्रद्धा भक्ति के साथ मना गायत्री जयंती

प्र.श्रीराम शर्मा आचार्य जी के महाप्रयाण दिवस पर श्रद्धासुभन अर्पित

राजनंदगांव (नांदगांव टाइम्स)। शिक्षा एवं । गायत्री मंत्र को सर्वसुलभ बनाने वाले युवा पुरुष



प.श्रीराम शर्मा आचार्य जी विनका संपूर्ण जीवन संपूर्ण मानव कल्याण के लिए समर्पित थे, जिन्होंने कठोर तप के द्वारा गायत्री मंत्र को जन्म-जन्म तक पहुँचाया। उनके अदर्शों को जीवन में अपनाने की हमें प्रेरणा मिलती है। गायत्री मंत्र को अंतिम में सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने श्रेष्ठ चिंतन, उज्ज्वल चरित्र तथा सदा सत्य के संकल्प के साथ मनाया। को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। सम्पूर्ण वातावरण श्रद्धा, भक्ति एवं प्रेरणा से ओत-प्रोत रहा। इस अवसर पर गायत्री शिक्षण समिति के अध्यक्ष श्री बुजकिशोर सुजन, उपध्यक्ष श्रीमती संध्यादेवी सिंह, कोषाध्यक्ष सुरकान्त चितलाणा, उपध्यक्ष श्री राजेश जैन, सचिव श्री गणपत लाल, सहस्राध्यक्ष निजकुंज सिंह, स्योराई डायरेक्टर श्री सागर धिवलांतो, संस्थापक श्री देवीशोभा सुजन, श्रीमती सुभाषा सुजन, संस्थापक प्रभारी श्री हरीश गांधी, श्रीमती रूपाली गांधी, सह स्योराई डायरेक्टर श्री मनोज चितलाणा, एकेडमिक डायरेक्टर श्री अमित उतलवार, प्राचार्य श्री अंकित व्यास, उपाचार्य श्रीमती रश्मि ठाकुर, प्रासाक अंजलि बाजवानी, स्कूल निवारक रणजीत सिंह उद्देशी एवं समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं ने उनके अदर्शों पर चर्चे को प्रेरणाली की।

होटल, रेस्टोरेंट एवं कैफे में कबीरधाम पुलिस की सघन जांच सीसीटीवी लगाने और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए निर्देश

पदमराज सिंह ठाकुर

कबीरधाम (नांदगांव टाइम्स)। कबीरधाम जिले में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने तथा अत्याचारिक गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से कबीरधाम पुलिस द्वारा होटल, डबॉ, रेस्टोरेंट एवं कैफे को लागाया जांच की जा रही है। पुलिस अधीक्षक कबीरधाम धर्मेन्द्र सिंह (आईपीएस) के निर्देश तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुर्णेंद्र सिंह एवं अमित पटेल के मार्गनिर्देशन में यह अधिभार संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में एसडीओपी कचर्वा आशीष शुक्ला एवं कोतवाल धाना प्रभावी श्री योगेश कश्यप के नेतृत्व में कचर्वा शहर के लालपुर रोड में विभिन्न होटल, रेस्टोरेंट एवं कैफे का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठानों में सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरों की उपलब्धता तथा संचालन संबंधी व्यवस्थाओं का जांचाव लिया गया। जांच के दौरान संचालकों को सख्त निर्देश दिए गए। जांच के दौरान संचालकों को सख्त निर्देश दिए गए। साथ ही फूड जेनरेटर अथवा तक सुरक्षित रखने के लिए भी काका गया, ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधियों को स्थिति में आसक्त जानकारी तत्काल उपलब्ध हो सके। निरीक्षण के दौरान होटलों में पदों लगाकर अत्याचार-अत्याचार कब जैसा विधान

(पाठित) किया गया था, जिससे पारदर्शिता प्रभावित हो रही थी और अत्याचार गतिविधियों को संभवना जारी हुई थी। कबीरधाम पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए उक्त पदों को हटवाया गया तथा संचालकों को भीतर्या की एक प्रकाश की व्यवस्था नहीं करने की सख्त निर्देशित। अधिकाधिक न स्पष्ट किया कि कैफे में ऐसी कोई व्यवस्था नहीं होनी चाहिए, जिससे किसी प्रकार की संदिग्ध गतिविधियों को बढ़ावा मिले। निरीक्षण के दौरान होटल, रेस्टोरेंट एवं कैफे संचालकों में आतुरता को दूर करने के प्रति विशेष सख्तता बरतने, किसी भी संदिग्ध व्यक्ति अथवा गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने तथा अधिभार में स्वयं एवं सुरक्षित वातावरण बनाए रखने के निर्देश भी दिए गए। एसडीओपी श्री आशीष शुक्ला ने बताया कि निर्देशों में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने और अत्याचारों को रोकथाम के उद्देश्य से होटल, डबॉ, रेस्टोरेंट एवं कैफे की निगरानी जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि सभी संचालकों को निगरानी जांच का पालन करना अनिवार्य है। निगरानी के उद्देश्य से अत्याचार संदिग्ध गतिविधियों को जानकारी देने पर संबंधित प्रतिष्ठान के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने निगरानी से भी अपराध को कि किसी भी संदिग्ध गतिविधियों को सूचना तत्काल पुलिस को दें।

सड़क पर वाहन रोककर हमला और एससी/एसटी एक्ट का अपराध पांच आरोपी गिरफ्तार, न्यायिक रिमांड हेतु न्यायालय में पेश

पदमराज सिंह ठाकुर क. बोर धाम (नांदगांव टाइम्स)। प्राज्ञ जनकारी के अनुसार प्राची रामकुमार मरकाम निवासी राम खहरिया, धाना रंगछावर द्वारा धाना कचर्वा में लिखित शिकायत प्रस्तुत की गई कि दिनांक 22 जून 2026 को वे अपने साथियों एवं जिला पंचायत सदस्य राजकुमार मेराली सहित वाहन से कचर्वा से रंगछावर की ओर लौट रहे थे। इसी दौरान थारुसदेव पेल्ले से समीप आरोपी गोकुल कोशिक द्वारा धाना रोककर विवाद किया गया। इसके पश्चात आरोपियों ने सरोधा धाना पुलिसिया तिरहा स्थित बजरंगवली मंदिर के पास वाहन को पतार रोककर प्राची एवं उनके साथियों के साथ माली-माली, जान से मारने की धमकी एवं मारपीट की गई। घटना के दौरान जिला पंचायत सदस्य राजकुमार मेराली के हस्तक्षेप करने पर आरोपियों द्वारा उक्त विवाद जातिव्यक्त करते हुए अमानजबक टिप्पणियां करते हुए अनुचित जवाबतारी वगैरे के सम्मान को ठेका पहुँचाने का प्रयास किया गया। शिकायत के आधार पर धाना कचर्वा में आधार क्रमांक 251/2026 के तहत धाना 126(2), 296, 115(2), 351(3), 3(5) भारतीय न्याय



संहिता (कड़क) एवं धारा 3(1)(र), 3(1)(ब) अनुचित जाति एवं अनुचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के अंतर्गत प्रकरण अज्ञात धाने के पर्ववैक्षण पंजीबद्ध किया गया तथा प्रकरण अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम से संबंधित व्यक्तियों के आधार पर आरोपियों— 1. गोकुल कोशिक (32 वर्ष) निवासी खैरचना 2. गोविंद कोशिक (33 वर्ष) खैरचना 3. रामानुज कोशिक (38 वर्ष) निवासी गोथिया 4. सागर साहू (27 वर्ष) निवासी खैरचना कला 5. आलोक तिवारी (21 वर्ष) निवासी खैरचना कला को दिनांक 23 जून 2026 को प्रमाण पत्र जब्त किए गए। आरोपी को गोकुल कोशिक के आरोपी ठेका कचर्वा के आधार घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल क्रमांक एच-09-बू-8841 को गतिविधित जास किया गया। निवेचना में संश्लित व्यक्तियों के आधार पर आरोपियों— 1. न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है।

धर्म समाचार...



घोड़ी पर ही क्यों निकलता है दूल्हा?
विवाह को हिंदू धर्म में 16 संस्कारों में से एक माना जाता है। विवाह दो व्यक्तियों का मिलन नहीं, बल्कि दो परिवारों का पवित्र बंधन माना गया है। विवाह के दौरान कई तरह के रस्में की जाती हैं। हर रस्म का अपना एक विशेष महत्व होता है। एक रस्म ऐसी है, जब धरप से बागत निकलती है, तो दूल्हे को घोड़ी पर बैठाया जाता है। अस्कर लोगों में मन में सवाल आता होगा कि आखिर दूल्हे को घोड़ी पर ही बैठाकर बारात क्यों निकली जाती है, तो ऐसे में आइए इस लेख में एस्ट्रोलॉजी के ज्योतिषी चंद्रशर्मा के अनुसार आपको बताते हैं कि इस रस्म के पीछे की खास वजह के बारे में। ज्योतिषी चंद्रशर्मा के अनुसार, हिंदू धर्म में विवाह के समय दूल्हे को घोड़ी पर

शादी में दूल्हे को घोड़ी पर ही क्यों बैठाया जाता है? जानिए इस रस्म से जुड़ा गहरा रहस्य

बैठना बेहद खास माना जाता है। इसके पीछे गहरे धार्मिक, समाजिक और मनोवैज्ञानिक कारण छिपे हैं: इतिहास पर नियंत्रण का पाठ: घोड़ी को अत्यधिक चंचल, जूलीली और बुद्धिमान माना जाता है। जिस तरह एक कछुवा सवार अपनी सुझबुझ और नियंत्रण से चंचल घोड़ी को अपने यश में रखता है, ठीक उसी तरह दूल्हे को भी संदेश दिया जाता है कि उसे अपने नए गृहस्थ जीवन में अपनी चंचल इच्छाओं और हर परिस्थिति को नियंत्रण में रखना होगा। उत्पत्ति और नए जीवन का प्रतीक: पौराणिक कथाओं के अनुसार, सूर्य देव की पत्नी 'संज्ञा' ने घोड़ी का रूप धारण किया था, जिससे अश्विनी कुमारों का जन्म हुआ। इस नाते समानता परंपरा में घोड़ी को उत्पत्ति, वंश वृद्धि और एक नए जीवन की शुभ सुरक्षा का प्रतीक भी माना जाता है। शौर्य और वीरता का भाव: इतिहास में योद्धा और राजा-महाराजा युद्ध व विजय अभियानों के लिए घोड़ों का इस्तेमाल करते थे। विवाह के समय दूल्हे को घोड़ी पर सवार होना उसके शौर्य, वीरता और जिम्मेदारी उभरने के साहस को दर्शाता है। वैश्वेदेव देवता और घोड़ा: वैश्वेदेव देवता को घोड़ा माना जाता है। इससे प्रभाव से लोग दूररी के सामने अपनी बात बताने की सुरक्षा करने से रक्षा पाएंगे, जिससे व्यापारिक समझौतों, पहाई-निर्वाह के कार्यों, धन के निवेशन और पारिवारिक पंचांगों को बहुत ही उत्तम सहयोग मिलेगा। बस इस बात का ध्यान रखना होगा कि मन में किसी भी बात को लेकर बहुत ज्यादा न सोचें और भावनाओं के अतिरिक्त मन में बहुत गहरी न लें। ऐसा माना जा रहा है कि बुध गौरक का खास प्रभाव इन 6 राशियों पर पड़ेगा। आइए जानते हैं कि राशियों को मिलेना लाभ?

25 जून को बुध का पुण्य नक्षत्र में महागोचर, कर्क और कन्या समेत इन राशियों की खुलेगी किस्मत, होगा धन लाभ

आज धन बात कर रहे हैं 25 जून 2026 को होने वाले बुधदेव के पुण्य गोचर की राशि। वैदिक ज्योतिष में बुधदेव स्वामी वाणी, व्यापार, शिक्षा, तकनीक, लेखन और किसी भी विषय पर सही निर्णय देने की क्षमता को निरूपित करते हैं। पुण्य नक्षत्र के स्वामी शनिदेव हैं और देव बुधमिलने का विषय आशीर्वाद प्राप्त है। यह नक्षत्र अनुशासन, समर्पित, आत्मिक ज्ञान और उन्नति को बढ़ाने के लिए जाना जाता है। पुण्य गोचर पूरी तरह से कर्क राशि के अंतर्गत आता है, जो बुधदेव के स्वामीय की जल तथा की राशि है। जब बुधदेव इस नक्षत्र से होकर गुजरेंगे, तो यह हमारी जार्निक सोच और मन की भावनाओं के बीच एक बहुत ही सुंदर और अनोखा तात्त्विक स्थापित करेगा। इसके प्रभाव से लोग दूररी के सामने अपनी बात बताने की सुरक्षा करने से रक्षा पाएंगे, जिससे व्यापारिक समझौतों, पहाई-निर्वाह के कार्यों, धन के निवेशन और पारिवारिक पंचांगों को बहुत ही उत्तम सहयोग मिलेगा। बस इस बात का ध्यान रखना होगा कि मन में किसी भी बात को लेकर बहुत ज्यादा न सोचें और भावनाओं के अतिरिक्त मन में बहुत गहरी न लें। ऐसा माना जा रहा है कि बुध गौरक का खास प्रभाव इन 6 राशियों पर पड़ेगा। आइए जानते हैं कि राशियों को मिलेना लाभ?

बुध नक्षत्र गोचर 2026
किन राशियों की होगी तरक्की?

